सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 83 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 28 अप्रैल, 2023

मूल्य ₹ 3/-

हमेशा ध्यान में रखिये की आपका सफल होने का संकल्प किसी भी और संकल्प से महत्वपूर्ण है।

-अब्राहम लिंकन

मेरा इरादा किसी दुख पहुंचाना... 8 | राजस्थान में सीएम चेहरे के कई... 3 | मोदी निराश और हताश हो गए... 7

यूपी सरकार से सुप्रीम सवाल, सीधे एंबुलेंस से क्यों नहीं ले गए अस्पताल

अतीक-अशरफ हत्याकांड पर शीर्ष कोर्ट में सुनवाई

» 3 हते बाद फिर होगी बहस

सरकार से मांगा हलफनामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अतीक-अशरफ मर्डर पर दायर एक याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से सवाल किया कि दोनों को सीधे ऐंबुलेंस से अस्पताल क्यों नहीं ले जाया गया। इस टिप्पणी पर यूपी सरकार ने देश की सर्वोच्च अदालत को बताया कि मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की गई है। कोर्ट ने यूपी सरकार से कमेटी की जांच के बारे में जानकारी मांगी है।

कोर्ट इस मामले पर तीन हफ्ते बाद सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट में इस सुनवाई को लेकर योगी सरकार की भी धड़कनें बढ़ी हुई थीं। यूपी सरकार की तरफ से मौजूद वकील मुकुल रोहतगी ने कहा, हमने मामले की जांच किए जाने को लेकर एसआईटी बनाई है और हाईकोर्ट के पूर्व जज की निगरानी में आयोग गठित कर मामले की जांच कर रहे हैं।

जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने झांसी में अहमद के बेटे असद की पुलिस मुठभेड़ पर भी यूपी सरकार से रिपोर्ट मांगी। असद को 13 अप्रैल को यूपी एसटीफ टीम ने एक मुठभेड़ में मार गिराया था।

अतीक अशरफ की हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से स्टेटस रिपोर्ट मांगी

अतीक के बेटे अली का लेटर हो रहा वायरल

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के बेटे अली का एक लेटर शुक्रवार को तेजी से वायरल हुआ। जिसमें उसने एनकाउंटर में मारे गए अपने भाई असद और पिता अतीक अहमद और चाचा अशरफ की हत्या के मामले में योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को इसका जिम्मेदार ठहराया है। अली अभी नैनी जेल में बंद है। साथ ही लेटर के माध्यम से लोगों से नगर निकाय चुनाव में सपा और भाजपा को वोट न देने की भी बात कही गई है। लेटर में कहा गया है कि मैं अली अहमद

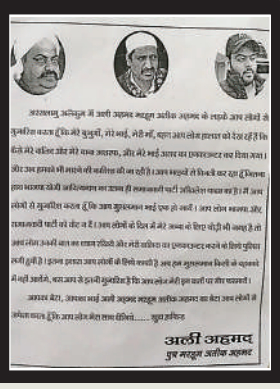

अतीक अहमद का लड़का, आप लोगों ने देखा कि कैसे मेरे पिता (अतीक अहमद), चाचा अशरफ और भाई असद को मार दिया गया और अब मुझे भी मारने की कोशिश की जा रही है। पुलिस अब मेरी मां शाइस्ता के एनकाउंटर के लिए उसकी तलाश कर रही है। आप लोग मेरा साथ दीजिए और गुजारिश है कि आप लोग मेरी इन बातों पर गौर दीजिए।

किस महिला ने की थी अतीक से मुलाकात?

शाइस्ता की तलाश के बीच माफिया अतीक अहमद को लेकर यूपी पुलिस ने एक और खुलासा किया है। पुलिस सूत्र अतीक से जुड़ी एक और महिला की तलाश कर रहे हैं जो साबरमती जेल में उमेश पाल हत्याकांड से ठीक पहले मिलने आई थी। यह महिला पहले भी कई बार अतीक से जेल में मुलाकात कर चुकी है। इस महिला ने अतीक से न सिर्फ साबरमती बल्कि देवरिया, बरेली और प्रयागराज की जेलों में भी मुलाकात की थी। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि यह महिला प्रयागराज के करेली इलाके की रहने वाली है। अतीक जेल में रहते हुए इस महिला से अक्सर लंबी बातचीत किया करता था। जांच एजेंसियों को महिला के उमेश पास शूटआउट केस से ठीक पहले साबरमती जेल जाने के वीडियो भी मिले हैं।मोबाइल फोन के कॉल डिटेल से भी पुलिस को अहम जानकारियां मिली हैं।

जिया खान सुसाइड मामले में सूरज पंचोली बरी

» सीबीआई कोर्ट ने सुनाया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस जिया खान की सुसाइड मामले में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने आज तकरीबन 10 साल बाद फैसला सुना दिया है। इस मामले में एक्टर सूरज पंचोली जिया को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी थे। कोर्ट ने सबूतों की कमी के चलते सूरज पंचोली को बरी कर दिया है। एक्ट्रेस मुंबई में अपने घर पर 3 जून 2013 को मृत पाई गई थी।

इस फैसले के बाद जिया की मां राबिया ने निराशा व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वह हाईकोर्ट जाएंगी और अपनी बेटी को इंसाफ दिलाने का प्रयास करेंगी। उधर सूरज पंचोली के परिवार ने इस फैसले के बाद खुशी जाहिर की है। ज्ञात हो कि जिया ने साल 2007 में अमिताभ बच्चन के साथ 'निशब्द' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। बॉलीवुड में डेब्यू करने के दौरान जिया महज 21 साल की थीं। रामगोपाल वर्मा की इस फिल्म में जिया और अमिताभ के बीच रोमांटिक रिश्ता दिखाया गया था। जिया की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी। जिया आमिर खान के साथ साल 2008 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'गजनी' में नजर आई थीं। इसके बाद 2010 में जिया ने अपनी तीसरी और आखिरी फिल्म 'हाउसफुल' की थी।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के घर पहुंची सीबीआई

» बीमा घोटाला मामले में करेगी पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) 60 करोड़ रुपये के कथित रिश्वत मामले में शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपराज्यपाल सत्यपाल मलिक के घर पहुंची है। मामला एक स्वास्थ्य बीमा योजना से संबंधित है, जिसे कथित रूप से आगे बढ़ाने के लिए कहा गया था, लेकिन जब वह जम्मू और कश्मीर के तत्कालीन राज्य के राज्यपाल थे, तब रद्द कर दिया गया था।

मलिक ने दावा किया था कि 23 अगस्त, 2018 और 30 अक्टूबर, 2019 के बीच जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान फाइलों को मंजूरी देने के लिए उन्हें रिश्वत की पेशकश की गई थी। सीबीआई की टीम उनके बयान दर्ज करने और अन्य जानकारी जुटाने के लिए उनके घर पहुंची है। पिछले साल सीबीआई ने इस संबंध में मामला दर्ज किया था और छह राज्यों में छापेमारी की थी। मलिक अब तक मामले में आरोपी या संदिग्ध नहीं है। सात महीने में दूसरी बार है, सीबीआई पूछताछ करेगी। उनका बयान पिछले साल अक्टूबर में बिहार, जम्मू-कश्मीर, गोवा और मेघालय में राज्यपाल की जिम्मेदारी पूरी करने के बाद दर्ज किया गया।

मेनका और वरुण गांधी निकाय चुनाव प्रचार से दूर

पार्टी के निर्देशों को भी किया दरकिनार

भाजपा निकाय चुनाव को लोस चुनाव का पूर्वाभ्यास मानकर लड़ रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुल्तानपुर की भाजपा सांसद मेनका गांधी और पीलीभीत के भाजपा सांसद वरुण गांधी ने निकाय चुनाव से दूरी बना रखी है। सांसद मां बेटे दोनों न तो भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन सभा में पहुंचे ना ही संगठनात्मक कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं।

राजनीतिक हल्कों में मेनका और वरुण गांधी के निकाय चुनाव से दूरी बनाने को 2024 लोकसभा चुनाव में बड़े संकेत के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा निकाय चुनाव को लोकसभा चुनाव का पूर्वाभ्यास मानकर चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने सभी सांसदों और विधायकों को पूरी ताकत के साथ चुनाव में तैनात किया है। सांसदों को खासतौर पर आगाह किया गया कि निकाय चुनाव में ही लोकसभा चुनाव की जमीन तैयार करें। कार्यकर्ताओं को संतुष्ट करने के साथ उनके साथ समन्वय भी बनाएं। सांसदों को भी चुनाव जिताने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लेकिन सुल्तानपुर की सांसद मेनका गांधी और पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी न तो भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन कार्यक्र म में शिरकत करने पहुंचे हैं। ना ही अभी तक संगठनात्मक बैठकों या चुनावी कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं।

पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष को किया सूचित

दोनों जिलों के पार्टी पदाधिकारियों ने इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी को मौखिक तौर पर सूचित भी कर दिया है। पीलीभीत के जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह का कहना है कि सांसद वरुण गांधी विधानसभा चुनाव में भी प्रचार पर नहीं आए थे। निकाय चुनाव में भी प्रचार पर नहीं आए हैं। सूत्रों का कहना है कि मेनका की सुल्तानपुर और वरुण की पीलीभीत में पार्टी के कार्यक्रमों और चुनाव में शामिल नहीं होने को पार्टी नेतृत्व ने गंभीरता से लिया है। भले ही पार्टी नेतृत्व वर्तमान में दोनों के मुद्दे पर मौन है लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 के टिकट वितरण में इसका असर दिख सकता है।

महिलाओं के पक्ष में सबको बोलना चाहिए : चतुर्वेदी

» सांसद प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- उषा जी, पहलवान हमारे देश के गौरव, छवि नहीं करते खराब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठे पहलवानों के समर्थन में शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी सामने आई हैं। प्रियंका ने इसी के साथ भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा के उस बयान पर हमला बोला जिसमें उन्होंने पहलवानों की आलोचना की थी।

भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध में बैठे पहलवानों की पीटी उषा ने गुरुवार को आलोचना की थी। इस पर आज प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि पीटी उषा को समझना होगा कि हमें सामूहिक रूप से महिला खिलाड़ियों के लिए बोलने की जरूरत है। उषा की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए चतुर्वेदी ने कहा कि देश की छवि तब खराब होती है जब यौन उत्पीड़न के आरोपी सांसद बच जाते हैं जबकि पीड़ितों को न्याय के लिए संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, खेद है मैम, हमें सामूहिक रूप से अपने खिलाड़ियों के लिए बोलना चाहिए, उन पर छवि खराब करने का आरोप नहीं लगाना चाहिए। वे हमारे देश और हमें गर्व करने का कारण देते हैं।

बिहार में डमी एक्टर कर रहे काम : सम्राट चौधरी

» भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले- लालू प्रसाद मेन डायरेक्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के पटना आने की सूचना पर बिहार की राजनीति गर्म हो गई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने उन पर जमकर निशाना साधा है। सम्राट ने तंज कसते हुए उन्हें डायरेक्टर की उपाधि दे दी। उन्होंने कहा कि अच्छा है ना डायरेक्टर भी आ जाएंगे। यहां पर डमी एक्टर लोग काम कर रहे थे।

अब नीतीश कुमार के सुपर पावर आ ही जाएंगे तो क्या गड़बड़ हो जाएगा। चौधरी ने आनंद मोहन की रिहाई पर कहा कि उनको लालू और नीतीश ने फंसाया। आनंद मोहन के साथ 26 अपराधियों की रिहाई पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का क्लियर कट स्टैंड है कि अपराधी कोई भी हो, आतंकवादी हो, उग्रवादी हो, हमलोग किसी भी हालत में समझौता नहीं करते हैं।

लालू प्रसाद को भाजपा के विधायकों ने सीएम बनाया

वही तेजस्वी यादव के रथ रोकने के बयान पर भी चौधरी ने कहा कि तेजस्वी जी भूल गए कि लालू जी को भाजपा के विधायकों ने मुख्यमंत्री बनाया था अब अगर कोई कहता है कि 2024 में भाजपा का रथ रोक कर दिखाएंगे तो उनसे मेरी अपील है कि वह या गलतफहमी छोड़ दें भाजपा अकेले सक्षम है कि लालू प्रसाद और नीतीश कुमार को किसी कीमत पर खाता नहीं खोलने दे।

संजीव सक्सेना नहीं लड़ेंगे चुनाव

» बरेली से थे सपा के मेयर प्रत्याशी, वापस लिया नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। बरेली में सपा के मेयर प्रत्याशी संजीव सक्सेना ने नामांकन पत्र वापस ले लिया है। वापसी के बाद उन्होंने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर यह फैसला लिया है। दूसरी ओर पूर्व मेयर डॉ. आईएस तोमर शाम चार बजे सपा नेताओं के साथ प्रेस वार्ता करेंगे। बता दें कि डॉ तोमर ने निर्दलीय तौर पर नामांकन पत्र दाखिल किया है। सपा ने उनको समर्थन दिया है। सपा ने संजीव सक्सेना को मेयर पद का प्रत्याशी घोषित किया था।

इसके बाद संजीव ने सपा के सिंबल पर नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं सपा नेता पूर्व मेयर डॉ आईएस तोमर ने भी नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। नामांकन के बाद तोमर ने कहा था कि उन पर सपा मुखिया अखिलेश यादव का आशीर्वाद है। देखिए आगे दो दिनों में क्या होता है। बुधवार को सपा ने डॉ. तोमर को समर्थन देने का एलान कर दिया। इससे पहले यूपी निकाय चुनाव में पहले चरण के मतदान से पहले नेताओं का पाला बदलना जारी है। समाजवादी पार्टी के सरोजनी नगर से जिला पंचायत सदस्य पलक रावत सहित कई नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ले ली। इसी तरह कांग्रेस के कई नेता भी भाजपाई हो गए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्देश नहीं टाल सकता

इधर, सपा प्रत्याशी संजीव सक्सेना नामांकन वापस लेने को तैयार नहीं थे। उनका कहना है कि पार्टी ने उन्हें सिंबल दिया है, वह चुनाव जरूर लड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि उन पर नामांकन वापसी के लिए स्थानीय स्तर पर दबाव बनाया जा रहा है, मगर वह बैठेंगे नहीं। प्रशासन से परिवार को सुरक्षा देने की मांग की थी। गुरुवार दोपहर इस घटनाक्रम में नया मोड़ तब आ गया, जब संजीव सक्सेना कलक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया। संजीव ने कहा कि पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुझे निर्देश दिया है। उनके निर्देश टाल नहीं सकता। इसलिए नामांकन पत्र वापस लिया। उन्होंने किसी के दबाव में ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह अब खुले दिल से डॉ. आईएस तोमर को चुनाव लड़ाएंगे।

शिंदे सरकार प्रदर्शनकारियों की सुने बात : आदित्य

» बारसु रिफाइनरी परियोजना पर सियासत तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने कहा कि वह रत्नागिरी में बारसु रिफाइनरी परियोजना के खिलाफ प्रदर्शनकारियों से मिलेंगे और उनके साथ एकजुटता से खड़े रहेंगे। दरअसल, रत्नागिरी के बारसु गांव के निवासी रिफाइनरी की स्थापना का विरोध कर रहे हैं। गांव में रिफाइनरी परियोजना को लेकर हो रहे विरोध के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता ने राज्य सरकार से बारसू के निवासियों से बातचीत करने का आग्रह किया है।

आदित्य ठाकरे ने कहा कि सरकार को बारसू के लोगों से उचित बातचीत करनी चाहिए और बिना उचित परामर्श के कोई काम नहीं करना चाहिए। इस बीच हम भी प्रदर्शनकारियों से मिलेंगे और उनके साथ अपनी एकजुटता का संदेश देंगे। वहीं शिंदे ने रिफाइनरी परियोजना का विरोध करने पर उद्धव ठाकरे और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) पर निशाना साधा था। शिंदे ने कहा कि यह तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे थे, जिन्होंने नानार परियोजना रद्द होने के बाद इस परियोजना को हरी झंडी दिखाई थी। उन्होंने बारसु रिफाइनरी परियोजना को लागू करने की मांग करते हुए पीएम मोदी को भी लिखा था।

परियोजना को जबरन लागू नहीं किया जाएगा : एकनाथ

इससे पहले गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार के साथ चर्चा की और उन्हें आश्वासन दिया कि स्थानीय निवासियों सहित सभी हितधारकों को विश्वास में लेने के बाद ही बारसु रिफाइनरी परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा। शिंदे ने कहा था कि मैंने बारसु रिफाइनरी परियोजना के बारे में कल शरद पवार के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी। पवार ने कहा कि राज्य के उद्योग मंत्री को सभी अधिकारियों और संबंधित लोगों को भरोसे में लेना चाहिए। मैंने उनसे कहा कि परियोजना सफल होगी। इसे जबरन लागू नहीं किया जाएगा। लोगों के साथ कोई अन्याय नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागपुर-मुंबई राजमार्ग का भी शुरुआत में लोगों ने विरोध किया था, लेकिन हम वहां परियोजना के फायदे को देख रहे हैं। किसानों को विश्वास में लेने के बाद ही रिफाइनरी परियोजना के संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

एक चेहरे पे कई चेहरे...

राजस्थान में सीएम चेहरे के कई दावेदार

» कांग्रेस में सचिन-गहलोत में जंग
» भाजपा में चेहरों की भरमार
» एक बार कांग्रेस और एक बार बीजेपी की सरकार का चलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान मे चुनाव आने वाले हैं। वहां के दोनों दलों में कलह जारी है। कलह की सबसे बड़ी वजह है चेहरा। कांग्रेस में जहां अशोक गहलोत व सचिन पायलट का चेहरा है। इन दोनों की मंशा सीएम बनने की है। हालांकि अशोक गहलोत वर्तमान में मुख्यमंत्री है जबकि सचिन पायलट भी वहां की कुर्सी पर काबिज होना चाहते हैं। आने वाले समय में पता चलेगा कि कांग्रेस किसको सीएम चेहरे के रूप में प्रोजेक्ट करती है। कमोवेश ऐसा ही हाल मुख्य विपक्षी दल भाजपा में है वहां सीएम चेहरे के कई दावेदार हैं। वहां पर पूर्व में रही सीएम वसुंधरा राजे तो सबसे बड़ी दावेदार हैं जबकि अन्य कई भी कतार में लगे हुए हैं।

पिछले 30 साल का ट्रैक रिकॉर्ड देखें, तो राजस्थान में एक बार कांग्रेस और एक बार बीजेपी की सरकार बारी-बारी से बनती रही है। इसलिए प्रॉबेबिलिटी कहें या केंद्र की मोदी सरकार की बीजेपी लहर, राजस्थान में एक बार फिर बीजेपी नेताओं-कार्यकर्ताओं में सत्ता में आने की सुगबुगाहटें तेज हैं। लेकिन सीएम फेस कौन होगा ? यह अभी तक तय नहीं होने के कारण बीजेपी के कार्यकर्ता बहुत कंफ्यूजन में हैं । क्योंकि पिछले दो बार से पूर्व सीएम रहीं वसुंधरा राजे को पार्टी नेतृत्व ने काफी समय तक साइडलाइन रखा। इसलिए कार्यकर्ता समझ नहीं पा रहा कि उसे किस नेता को फॉलो कर अपना सियासी भविष्य तलाशना है। लेकिन अब वसुंधरा राजे के लिए लॉबिंग और समर्थकों की दावेदारी तेज होने लगी है। इसमें कई विधायकों, पूर्व विधायकों, सांसदों, पूर्व सांसदों के साथ अब पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक का भी नाम जुड़ गया है। जिन्होंने सीकर में कहा कि वसुंधरा राजे को राजस्थान में सीएम फेस घोषित किया जाए, तो बीजेपी के जीतने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

राजे को पायलट से भी खतरा

लेकिन वसुंधरा राजे और उनके खेमे के लिए चिन्ताजक यह है कि पिछली बार उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाया गया था। लेकिन अबकी बार यह जिम्मा नहीं सौंपा गया। विरोधी खेमा भी एक्टिव है। जो वसुंधरा राजे के लिए लगातार रोड़ा बना हुआ है। बीजेपी ही नहीं कांग्रेस में भी सचिन पायलट उन्हें घेर रहे हैं। पिछली वसुंधरा सरकार के समय हुए घोटाले और भ्रष्टाचार की जांच कराने की मांग पर अनशन और प्रेसवार्ता कर पायलट ने भी वसुंधरा को नुकसान पहुंचाया है। पायलट की गुर्जर समाज और युवाओं में अच्छी छवि मानी जाती है। ऐसे में वसुंधरा राजे को पायलट ने भी जनता ने नेरेटिव सेट कर उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया है। वसुंधरा राजे के पिछले कार्यकाल के वक्त पीएम की झुंझुनूं रैली में वसुंधरा राजे के खिलाफ और पीएम मोदी के पक्ष में युवाओं ने नारेबाजी की थी। वह भी आज तक चर्चा का विषय बना हुआ है। बीजेपी में युवा चेहरों को आगे लाने की मुहिम भी चल रही है। वसुंधरा राजे का जन्म 8 मार्च 1953 का है। वह 70 साल की हो चुकी हैं। 70 पार वाले नेताओं को बीजेपी नेतृत्व पिछले काफी वक्त से किसी राज्य में सीएम नहीं बना रहा है, बनिस्बत युवा चेहरों को आगे लाया जा रहा है ।

सतीश पूनियां व राजे में है छत्तीस का आंकड़ा

विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। पिछले 3 साल 7 महीने तक उन्होंने राजस्थान में बीजेपी का संगठन बखूबी सम्भाला है। सतीश पूनिया जाट किसान परिवार से है और बिजनेस से जुड़े हैं। पार्टी का संगठन राजस्थान में 52 हजार में से 48 हजार बूथों तक उन्होंने खड़ा किया था। जिला, शक्ति केंद्र, मंडल, पन्ना प्रमुख अभियान को मजबूती दी। पूनियां जयपुर के आमेर से बीजेपी विधायक हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अच्छे संबंध रहे हैं। साथ ही आरएसएस से जुड़े होने के कारण संघ में पूनियां की अच्छी पकड़ है। सतीश पूनिया की सीएम फेस दावेदारी में सबसे बड़ा रोड़ा वसुंधरा राजे खेमे का उनके एंटी होना है। पूनिया केवल 1 बार के ही विधायक हैं, जबकि उनसे बहुत वरिष्ठ विधायक राजस्थान में मौजूद हैं। बाकी सारे नेता पूनियां से वरिष्ठ ही हैं।

गुटबाजी और कलह बढ़ने का डर

राजस्थान बीजेपी में स्वाभाविक तौर पर दो बार की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के साथ ही करीब 8 नेता सीएम फेस के दावेदार हैं। लेकिन पार्टी हाईकमान को चिन्ता है कि राजस्थान में कोई अप्रत्याशित सीएम फेस घोषित कर दिया गया, तो बीजेपी नेताओं में चुनाव से पहले गुटबाजी और अंदरूनी कलह बढ़ जाएगी। जो पार्टी को विधानसभा चुनाव से पहले बड़े स्तर पर डैमेज कर सकती है। इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव भी हैं, इसलिए राजस्थान जीतना बीजेपी के महत्वपूर्ण है। राजस्थान के साथ ही छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार है। दोनों जगह बीजेपी अबकी बार कांग्रेस से सत्ता छीनना चाहती है। इसीलिए पार्टी ने सतीश पूनिया को प्रदेशाध्यक्ष पद से हटाकर उनके विरोधियों और गुटबाजी पर काफी हद तक लगाम लगाने की कोशिश भी की है। लेकिन साथ ही पूनिया को उपनेता प्रतिपक्ष का जिम्मा और राजेंद्र राठौड़ को नेता प्रतिपक्ष का जिम्मा सौंपकर फिलहाल वसुंधरा राजे को राजस्थान में कोई पद नहीं दिया गया है। हालांकि प्रदेश बीजेपी कोर कमेटी में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी, सांसद किरोड़ीलाल मीणा, प्रदेशाध्यक्ष और सांसद सीपी जोशी समेत कई नेता शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर सीएम फेस के दावेदार हैं।

बीजेपी में सीएम फेस के दावेदार

वसुंधरा राजे सिन्धिया : बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिन्धिया राजस्थान में 2 बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। 5 बार विधायक रह चुकी हैं और 5 बार राजस्थान से लोकसभा सांसद भी रही हैं। वसुंधरा राजे केंद्र सरकार में एक्सटर्नल अफेयर्स राज्यमंत्री और स्मॉल स्केल मंत्रालय की भी राज्य मंत्री रह चुकी हैं। वह झालावाड़ के झालरापाटन से फिलहाल विधायक हैं। सीएम गहलोत से पहले वसुंधरा राजे ही प्रदेश की बीजेपी सरकार में मुख्यमंत्री रही हैं। इसलिए स्वाभाविक तौर पर वह मुख्यमंत्री पद की मजबूत दावेदार हैं। वसुंधरा राजे के समर्थक प्रदेशभर में हैं। वह प्रदेश में सक्रिय बनी हुई हैं। विपक्ष में रहते हुए प्रदेश में लगातार सामाजिक-धार्मिक और देवदर्शन यात्राएं कर रही हैं। राजे विपक्ष में रहकर चुनावी साल में सत्ताविरोधी लहर को बीजेपी के पक्ष में अपने नेतृत्व में बदलने में पिछले दो कार्यकालों में कामयाब रही हैं। वसुंधरा राजे के खेमे में अभी भी बहुत से विधायक और पूर्व विधायक हैं। वसुंधरा राजे राजस्थान में बीजेपी की लुटिया तैराने और डुबाने दोनों तरह के काम कर सकती है, पार्टी हाईकमान को भी यह बात अच्छे से मालूम है। लेकिन वसुंधरा राजे पक्की भाजपाई हैं और हाईकमान के खिलाफ जाकर कोई निर्णय नहीं लेंगी, ऐसी पार्टी हाईकमान को भरोसा है।

राजेंद्र राठौड़ : राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए गए राजेंद्र राठौड़ बीजेपी विधायक दल को अब लीड कर रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने काफी सोच विचारकर ही उन्हें उपनेता से नेता प्रतिपक्ष बनाया है। राजेंद्र राठौड़ 7 बार के विधायक हैं। फिलहाल वह चूरू विधानसभा क्षेत्र से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। राजेंद्र राठौड़ एडवोकेट भी हैं, गहलोत खेमे के विधायकों के सामूहिक इस्तीफे के मामले में उन्होंने खुद पैरवी करते हुए हाईकोर्ट में जनहित याचिका भी लगाई। हालांकि राठौड़ के लिए चिन्ता की बात यह है कि उनकी पार्टी में इंटरनली नेताओं के साथ क्रि डिबिलिटी पर सवाल खड़े होते रहे हैं। राठौड़ को पहले वसुंधरा राजे खेमे में माना जाता था।

गजेंद्र सिंह शेखावत: केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को भी सीएम फेस के तौर पर देखा जाता है। गजेंद्र सिंह भी स्वर्गीय भैरों सिंह शेखावत की तर्ज पर राजपूत समाज से आते हैं। मूल रूप से शेखावाटी से इनका परिवार निकला है, लेकिन जोधपुर में ही रहते और रचे-बसे हैं। गजेंद्र सिंह शेखावत ने सीएम अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री पद पर रहते उनके पुत्र वैभव गहलोत को पिछला लोकसभा चुनाव हराया है। जिसके बाद गहलोत और गजेंद्र सिंह के रिश्ते भी तल्ख हो गए। गजेन्द्र सिंह शेखावत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनकी सरकार को लगातार घेरते रहे हैं। गहलोत पूरी तरह उनके टारगेट पर हैं।

अर्जुनराम मेघवाल : केंद्रीय संस्कृति और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल राजस्थान के नहरी क्षेत्र बीकानेर से लोकसभा सांसद हैं। अर्जुनराम मेघवाल पूर्व आईएएस अफसर रहे हैं। सादगीपूर्ण तरीके से रहने और पिछले दिनों साइकिल से संसद पहुंचने वाले मंत्री के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुके हैं। अर्जुनराम मेघवाल दलित मेघवाल समाज से आते हैं। उन्हें बीजेपी में एससी वर्ग से सीएम फेस के रूप में देखा जाता है। अर्जुनराम मेघवाल बीजेपी राजस्थान कोर कमेटी में भी शामिल हैं। साथ ही पिछले दिनों मानगढ़ धाम पर पीएम मोदी की बड़ी सभा भी उनके मंत्रालय ने करवाई थी। लेकिन अर्जुनराम मेघवाल को यदि बीजेपी केंद्र से राज्य की राजनीति में फिर से लेकर आती है, तो कई सवाल भी खड़े होंगे। राजपा पार्टी भी जॉइन कर ली थी।

ओम बिरला भी मार सकते है दांव लोकसभा स्पीकर ओम बिरला दो बार सांसद चुने जा चुके हैं। मूल रूप से कोटा के रहने वाले हैं और कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र से मौजूदा सांसद हैं। ओम बिरला राजस्थान विधानसभा में तीन बार विधायक और एक बार संसदीय सचिव पद पर भी पूर्व में रह चुके हैं। बिरला भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुके हैं। बिरला वैश्य वर्ग से आते हैं। व्यापारियों और आम लोगों में इनकी खासी पकड़ है। ओम बिरला सभी नेताओं को साधकर चलने वालों में गिने जाते हैं। बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व, पीएम मोदी, जेपी नड्डा और अमित शाह समेत तमाम मंत्रियों से बहुत घनिष्ठ संबंध रखते हैं। ओम बिरला धर्म-कर्म में बहुत आस्था रखते है। किसानों के मुद्दों पर प्रदेश की गहलोत सरकार से लगातार गिरदावरी और मुआवजे की मांग रखते रहे हैं। बिरला लगातार अपने क्षेत्र और प्रदेश में दौरे करते रहते हैं। ओम बिरला को भी सीएम फेस के रूप में दावेदार माना जाता है।

अश्विनी वैष्णव : केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का नाम भी सीएम फेस के दावेदारों में गिना जा रहा है। क्योंकि अश्विनी वैष्णव भी मूल रूप से राजस्थान के जोधपुर के निवासी हैं। वह ब्राह्मण चेहरा हैं। पिछले दिनों जयपुर में हुए ब्राह्मण समाज के बड़े सम्मेलन में अश्विनी वैष्णव मंच पर मौजूद टॉप नेताओं में शामिल थे। ब्राह्मण मुख्यमंत्री और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग भी मंच से उठी थी। अश्विनी वैष्णव के रेल मंत्री रहते राजस्थान में सबसे ज्यादा रेल बजट अब तक मिला है। पीएम मोदी भी इस बात को पिछले दिनों कह चुके हैं। वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन भी विधानसभा चुनाव से पहले अजमेर-जयपुर-दिल्ली के बीच शुरू कर दी गई है। अश्विनी वैष्णव 1994 बैच के ओडिशा कैडर के आईएएस अफसर रहे हैं। जिन्हें जुलाई 2019 में केंद्रीय नेतृत्व की पसंद पर ओडिशा से राज्यसभा सांसद के तौर पर चुनाव लड़वाकर जिताया गया। अश्विनी वैष्णव का नेगेटिव पॉइंट यही है कि वह केंद्रीय राजनीति में ब्यूरोक्रेसी से लाए गए हैं।

मोदी के चेहरे पर लड़ने की कवायद

बीजेपी की स्ट्रेटेजी यह है पीएम मोदी और केंद्रीय योजनाओं-उपलब्धियों के आधार पर ही राजस्थान में पार्टी विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती है। लोकसभा में जो मुद्दे रहने वाले हैं, उन मुद्दों के आधार पर पार्टी राज्य का चुनाव लड़ना चाह रही है। इसे वोटो के पोलराइजेशन और बड़े लाभार्थी वर्ग को साधकर चुनाव लड़ने की कोशिशों के तौर पर भी देखा जा रहा है। पार्टी चाहती है कि अपने विश्वस्त व्यक्ति को विधानसभा चुनाव होने और बहुमत मिलने के बाद सीएम फेस घोषित किया जाए। चुनाव से पहले सीएम फेस घोषित करने पर अंदरूनी कलह और भीतराघात का खतरा बढ़ जाएगा। 6-7 महीने बाद विधानसभा चुनाव होने है। ऐसे माहौल के बीच पार्टी फिलहाल मौजूदा गुटबाजी को दूर कर संगठन को मजबूत करने पर फोकस कर रही है। सीएम फेस घोषित करने की एक स्ट्रेटेजी यह भी है कि आचार संहिता लगने के बाद अंतिम दिनों में ही अचानक सीएम फेस घोषित किया जा सकता है। सभी नेताओं को एकजुट होकर चुनाव लड़ने की सख्त नसीहत दी जा सकती है। इसके लिए बीजेपी फिलहाल संगठनात्मक ढांचे, बूथ मैनेजमेंट और पन्ना प्रमुख सिस्टम को मजबूत करना चाह रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पहलवानों को कब मिलेगा इंसाफ

कुश्ती के टॉप और मेडल जीतने वाले पहलवान एक बार फिर से जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। देश के लिए इससे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति नहीं हो सकती है। भारतीय कुश्ती महासंघ और उसके अध्यक्ष के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हालांकि, मामले की सच्चाई सबके सामने आनी चाहिए। देश के टॉप मेडल विनर पहलवान एक बार फिर जंतर मंतर पर बैठ गए हैं।

पहलवानों के मामले पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। उच्च अदालत क्या निर्णय देगी ये तो कल पता चलेगा। पर देश को सच्चाई जानने का हक है। कुश्ती में देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी जब अपने ही संघ के अध्यक्ष पर यौन शोषण का गंभीर आरोप लगा रह हैं। दुख इस बात है सरकार इस पर अब भी मौन है जबकि वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। उससे बड़ी बात ये प्रदर्शन वह दुबारा कर रहे हैं इससे पहले वो जनवरी में भी धरना दे चुके हैं। सरकार ने तो उन्हें निराश कर दिया है पर इन रेसलरों को सुप्रीम कोर्ट से बहुत आस है इन्हें इंसाफ जरूर मिलेगा।

कुश्ती के टॉप और मेडल जीतने वाले पहलवान एक बार फिर से जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। देश के लिए इससे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति नहीं हो सकती है। भारतीय कुश्ती महासंघ और उसके अध्यक्ष के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हालांकि, मामले की सच्चाई सबके सामने आनी चाहिए। देश के टॉप मेडल विनर पहलवान एक बार फिर जंतर मंतर पर बैठ गए हैं। रविवार रात उन्होंने वहीं बिताई और उनका कहना है कि जब तक उनकी शिकायत पर उपयुक्त कार्रवाई नहीं होती वह धरने पर बैठे रहेंगे। यह स्थिति वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है। खासकर इसलिए कि पहलवानों ने कोई पहली बार अपनी मांग नहीं रखी है। तीन महीने पहले भी वे धरने पर बैठे थे। उनकी शिकायत भी कोई मामूली नहीं है। भारतीय कुश्ती महासंघ और उसके अध्यक्ष के खिलाफ यौनशोषण का आरोप ऐसा नहीं हो सकता, जिसे नजरअंदाज कर दिया जाए। हैरत की बात यह है कि तब इन पहलवानों को पूरे मामले की जांच-पड़ताल के बाद मुनासिब कार्रवाई का जो आश्वासन दिया गया था, वह किसी अंजाम तक पहुंचता नहीं दिख रहा। हालांकि जानी-मानी बॉक्सर मैरी कोम की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी। कहा जा रहा है कि उस समिति ने इसी महीने के पहले हफ्ते में अपनी रिपोर्ट भी सौंप दी थी, लेकिन उस बारे में कोई औपचारिक सूचना उपलब्ध नहीं है। अगर सचमुच यह रिपोर्ट आ गई है तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? चूंकि इस मामले में आरोप सार्वजनिक तौर पर लगाए गए हैं, इसलिए गोपनीयता बरतने का कोई मतलब नहीं बनता। चाहे कुश्ती महासंघ हो या खेल मंत्रालय, वे समय पर इनकी शिकायत सुनने और उनका हल निकालने में नाकाम रहे। इसलिए अब दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए। अगर इन पहलवानों की शिकायत गलत पाई गई तो वह बात भी सार्वजनिक की जानी चाहिए। लेकिन अगर उनकी शिकायत सही है तो दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बच्चों की मौलिक सोच व स्तर में गिरावट

रमेश ठाकुर

'आटा' से भी सस्ता मोबाइल 'डाटा' के घोर नकारात्मक प्रभाव अब खुलकर दिखने लगे हैं। इंटरनेट, साइबर संसार, स्मार्टफोन व सोशल मीडिया की ऐसी लत युवाओं में लग चुकी है जिससे वह न सिर्फ वास्तविक दुनिया से कट गया है, बल्कि इसके शिक्षा स्तर और बौद्धिक क्षमता में भी गिरावट दर्ज हो गई है। स्कूली बच्चों और बीस वर्ष के आसपास के नवयुवकों व लड़कियों पर हाल ही में हुए एक डिजिटल-साइबर सर्वे से पता चला है कि इनकी 92 फीसदी संख्या साइबर एडिक्शन के समुद्र में गोता लगाती है जिनमें 60 फीसद संख्या ऐसी है जो खाना-पीना छोड़ सकते हैं, पर फोन-सोशल मीडिया नहीं? कक्षा पांच से ऊपर वाले अधिकांश बच्चे फोन में ऐसे घुसे हुए, जैसे उन्हें दुनियादारी से कोई मतलब ही नहीं? सिर्फ अपने में ही मस्त होते हैं। समय पर खाना खाना, स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद, स्कूल होमवर्क आदि सब भूले होते हैं।

सेकेंडरी लेवल के बच्चों में शिक्षा स्तर का गिरने का कारण भी डिजिटल लत ही है। इसके अलावा उनके शारीरिक विकास में नुकसान हो रहा है? बच्चे समय से पहले अपनी आंखों की रोशनी खोते जा रहे हैं। पारिवारिक सदस्य हों या अभिभावक, शिक्षक, चिकित्सक, सभी इंटरनेट, स्मार्टफोन व सोशल मीडिया के नकारात्मक पक्षों से भलीभांति वाकिफ हैं, बावजूद इसके वह कुछ कर नहीं पाते। दरअसल, उनमें एक डर ये भी होता है, कि ज्यादा सख्ती दिखाने पर बच्चे गलत कदम उठाने में देरी नहीं करते? डिजिटल युग में वास्तविक रिश्ते बहुत पीछे छूटते जा रहे हैं जिनमें युवा ज्यादा हैं। बीते दिनों अमेरिकी कंपनी 'साइबर वर्ल्ड ओरीजनल' और 'ए.टी. कियर्नी' ने संयुक्त रूप से दर्जन भर देशों में करीब लाख से ज्यादा लोगों से बातचीत करके एक सर्वे किया, जिसमें लोगों से पूछा गया कि उनके बच्चे ज्यादातर समय कैसे बिताते हैं। उत्तर में बताया गया कि स्कूलों से आने के बाद बच्चे बा-मुश्किल अपनी स्कूली ड्रेस चेंज करते हैं, घर पहुंचते ही सीधे मोबाइलों पर झपट्टा मारते हैं। खाना-पीना, स्कूल बैग्स रखना भी गवारा नहीं समझते।

यहां तक कि शाम के वक्त खेलने-कूदने का वक्त होता है, वहां भी स्मार्टफोन ले जाकर बच्चे गेमों में मटरगश्ती करते हैं। भारत के हालात कुछ ज्यादा ही खराब हैं। स्मार्टफोन के इस्तेमाल में हिंदुस्तानी बच्चे अव्वल श्रेणी में हैं जिसकी वजह हमारे यहां मोबाइल डाटा अन्य देशों के मुकाबले काफी सस्ता है। साइबर एडिक्शन के नुकसान एक नहीं, अनेक हैं। मन-

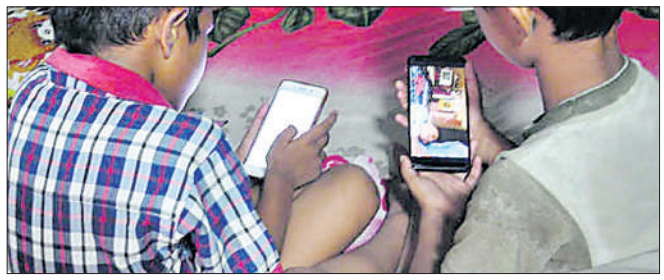

मस्तिष्क में इंटरनेट की सोहबत घुसने से बच्चे स्टडीज की मूल मौलिकता से अनभिज्ञ हो रहे हैं। अभी हाल में यूपीपीसीएस का परिणाम घोषित हुआ जिनमें जिन बच्चों ने सफलता पाई, उन्होंने अपने इंटरव्यू में कहा भी कि कोई भी परीक्षा पास करने के लिए प्रतिभागियों को सोशल मीडिया से दूर रहना होगा। इंटरनेट के सकारात्मक पक्ष के संबंध भी हैं जिनका भी जिक्र उन्होंने किया। पर, ज्यादातर बच्चे सदुपयोग की जगह दुरुपयोग ही करते हैं। इंटरनेट में व्यस्त होने के चलते ही कम्पीटिशन में प्रतिभागी पिछड़ रहे हैं। जबकि, जो बच्चे दूर रहते हैं, उन्हें बाजी मारने में कोई मुश्किल नहीं होती। कई सफल बच्चे कहते हैं कि अब कम्पीटिशन कम है, क्वालिटी-स्टडी के प्रतिभागियों की संख्या सीमित होती है। कुल मिलाकर, इंटरनेट, फोन, सोशल मीडिया के जंजाल में फंस चुकी पीढ़ी को बाहर निकालना किसी चुनौती से कम नहीं? बहरहाल, इस समस्या का सर्वाधिक नकारात्मक पहलू एक यह भी है। आज की पीढ़ी गूगल-इंटरनेट को ही शिक्षक और अपना माईबाप समझने लगी है, जो सर्च किया उसे ही वास्तविक सच्चाई मान लेती है। तब उन्हें बुजुर्गों के अनुभव, बुद्धिजीवियों की राय बेमानी-सी लगती है। विद्यालयों में पढ़ाए गए कोर्स या चैप्टरों पर विश्वास नहीं करती। पाठ्यक्रम की तमाम सामग्री गूगल करके समझते हैं। असल मायनों में यहीं से शिक्षा का स्तर गिरना भी आरंभ हो जाता है। युवाओं में अब धीरे-धीरे देश की जरूरी-वास्तविक समस्याओं को जानने-समझने की क्षमता कुंद होती जा रही है। सर्वे बताता है कि ऐसा भी नहीं है कि युवा इंटरनेट का इस्तेमाल जरूरी तौर पर करते हैं, जमकर दुरुपयोग करते हैं। चाइल्ड पोर्नोग्राफी की लत भी इंटरनेट से चिपकने से लगती है। कई बच्चे स्कूलों में भी फोन के साथ पकड़े जाने लगे हैं। कई मर्तबा तो बच्चों की हरकतों को देखकर शिक्षक-अभिभावक भी शर्मसार होते हैं।

दरअसल, कोरोना काल में लगाए गए लॉकडाउन ने बच्चों में फोन की लत को और बढ़ाया था। वो ऐसा वक्त था, जब बच्चे घरों में कैद थे और स्कूलों की बीच में छूटी पढ़ाई को फोन के जरिए ऑनलाइन पढ़ते थे। तब, अभिभावक भी यही मानते थे कि बच्चे पढ़ने में मग्न हैं। पर, उन्हें क्या पता था कि बच्चे मोबाइल एडिक्शन के शिकार हुए पड़े हैं। समय की मांग यही है, युवाओं और आने वाली पीढ़ी को इस समस्या से किसी भी सूरत में बचाने के मुकम्मल उपाय खोजे जाएं।

पूर्वोत्तर में शांति व विकास की पहल

लक्ष्मी शंकर यादव

15 जुलाई, 2022 को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने 'नामसाईं घोषणापत्र' पर हस्ताक्षर करके इस बात का संकल्प लिया था कि वे दोनों सीमा विवाद का हल निकालेंगे। इसी कारण जुलाई, 2022 से ही दोनों प्रदेशों के मध्य इस मसले पर वार्ता चल रही थी। अब दोनों राज्यों ने 123 गांवों के इस विवाद को समाप्त करने का निर्णय लिया है। इन पर अरुणाचल प्रदेश ने दावा किया था। अभी कुल गांवों में से 71 गांवों की स्थिति को लेकर स्पष्ट सहमति बन गई है। इनमें से 10 गांव असम राज्य में ही बने रहेंगे और 60 गांव असम राज्य से लेकर अरुणाचल प्रदेश में शामिल किए जाएंगे।

असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच एक लम्बी अवधि से चले आ रहे अंतर्राज्यीय सीमा विवाद को समाप्त कर लिया गया है। 20 अप्रैल को दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने एक समझौते 'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' पर हस्ताक्षर किए। नि:संदेह, लगभग पांच दशक पुराने इस विवाद का समाधान होना वास्तव में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। राजग सरकार ने पूर्वोत्तर में शान्ति की स्थापना और हिंसा खत्म करने के लिए एनएलएफटी, कार्बी आंगलोग और आदिवासी गुटों के साथ समझौता करवाकर विवादों को समाप्त किया है। इस तरह पूर्वोत्तर में शांति की एक नई पहल शुरू हुई है।

उल्लेखनीय है कि इस सीमा विवाद के हल के लिए चर्चा हेतु गत वर्ष क्षेत्रीय समितियों का गठन किया गया था जिसमें मंत्री, स्थानीय विधायक और दोनों राज्यों के अधिकारी शामिल किए गए थे। विदित हो कि असम और अरुणाचल राज्य लगभग 804 किलोमीटर से ज्यादा लम्बी सीमा को साझा करते हैं। 15 जुलाई, 2022 को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने 'नामसाईं घोषणापत्र' पर हस्ताक्षर करके इस बात का संकल्प लिया था कि वे दोनों सीमा विवाद का हल निकालेंगे। इसी कारण जुलाई, 2022 से ही दोनों प्रदेशों के मध्य इस मसले पर वार्ता चल रही थी। अब दोनों राज्यों ने 123 गांवों के इस विवाद को समाप्त करने का निर्णय लिया है। इन पर अरुणाचल प्रदेश ने दावा किया था। अभी कुल गांवों में से 71 गांवों की स्थिति को लेकर स्पष्ट सहमति बन गई है। इनमें से 10 गांव असम राज्य में ही बने रहेंगे और 60 गांव असम राज्य से लेकर अरुणाचल प्रदेश में शामिल किए जाएंगे। एक गांव को अरुणाचल प्रदेश से लेकर असम राज्य में शामिल किया जाएगा। अर्थात् 71 विवादित गांवों में से 60 गांव अरुणाचल प्रदेश को मिले और 11 गांव असम प्रान्त को प्राप्त हुए। इस संबंध में अरुणाचल प्रदेश लगातार यह कहता रहा है कि मैदानी हिस्सों में स्थित कई वन क्षेत्र पारम्परिक रूप से पहाड़ी क्षेत्र के आदिवासी प्रमुखों और समुदायों के हुआ करते थे और उन्हें एकतरफा फैसले में असम राज्य को दे दिया गया था। उल्लेखनीय है कि अरुणाचल प्रदेश को 1972 में केन्द्रशासित प्रदेश घोषित किया गया था। अब शेष बचे 52 गांवों में से 49 गांवों की सीमाओं का निर्णय आने वाले छह महीनों में कर लिया जाएगा। यह मसला क्षेत्रीय समितियों द्वारा निश्चित किया जाएगा। इस मामले में अब दोनों राज्य कोई नया दावा प्रस्तुत नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतर्राज्यीय सीमा विवाद वर्ष 1972 में शुरू हुआ था। इसी वर्ष असम से अरुणाचल अलग हुआ था। वर्ष 1972 से लेकर वर्ष 1979 तक की अवधि में 396 किलोमीटर की सीमा तय हो गई थी लेकिन सर्वे को लेकर विवाद हो गया और काम रुक गया। दरअसल, अरुणाचल प्रदेश असम के 1000 वर्ग किलोमीटर मैदानी क्षेत्र पर अपना दावा जता रहा था। अलग राज्य बनाए जाने में वर्ष 1951 के एक नोटिफिकेशन को लागू किया गया था। इस पर अरुणाचल प्रदेश को एतराज था। वर्ष 1951 में तत्कालीन केन्द्र सरकार ने बोरदोलोई समिति का गठन किया था। इस कमेटी ने 3648 वर्ग किलोमीटर का मैदानी क्षेत्र यानी कि वर्तमान समय के जानोई, धेमाजी व दरांग जिलों को असम में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया था। इस संबंध में अरुणाचल प्रदेश का कहना था कि इस प्रक्रिया में उसकी सलाह नहीं ली गई और जिन इलाकों को असम में स्थानांतरित किए जाने की बात कही गयी उनके रीति-रिवाज अरुणाचल के ही हैं। असम और अरुणाचल प्रदेश के सीमा विवाद को सुलझाने के लिए वर्ष 1979 में दोनों प्रदेशों की सरकारों ने एक संयुक्त कमेटी बनाई थी परन्तु यह कमेटी इस विवाद का कोई हल नहीं निकाल पाई। इसके बाद सन् 1983 में अरुणाचल प्रदेश ने असम राज्य को एक प्रस्ताव भेजकर 956 वर्ग किलोमीटर जमीन मांगी। वर्ष 1989 में असम सरकार ने इस मसले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में सिविल मुकदमा दाखिल किया। कालांतर में वर्ष 2007 में तरुण चटर्जी कमीशन के सामने अरुणाचल प्रदेश ने अपने प्रपोजल में जमीन का दावा 956 वर्ग किलोमीटर से ब ?ाकर 1119.2 वर्ग किलोमीटर कर दिया। इससे मामला फिर उलझ गया। वर्ष 2009 में असम राज्य ने अरुणाचल प्रदेश का दावा खारिज कर दिया। दरअसल, चटर्जी कमीशन अरुणाचल प्रदेश के दावे को कुछ हद तक स्वीकार करने का इच्छुक था। इसके बाद दोनों राज्यों का तनाव बरकरार रहा। अब असम तथा अरुणाचल राज्यों के बीच तकरीबन पांच दशक से चले आ रहे सीमा विवाद के समाधान किए जाने के बाद अब यह आशा की जानी चाहिए कि भविष्य में दोनों राज्य इस मुद्दे से आगे बढ़कर अपने इलाकों में अन्य समस्याओं का हल खोजकर अपने-अपने राज्यों के विकास की तरफ ध्यान देंगे।

सूखी खांसी

को ठीक करने में मदद करेंगे ये उपाय

गर्मी में कई बार फ्रिज का ठंडा पानी और आइसक्रीम खाने की वजह से सूखी खांसी की समस्या हो जाती है। सूखी खांसी होने पर व्यक्ति न तो ठीक से खा पाता है और न ही ठीक से सो पाता है। ऐसे में दवाई लेने के साथ घरेलू उपाय भी किए जा सकते हैं। इन उपायों को करने से सूखी खांसी में आराम मिलेगा और शरीर भी हेल्दी रहेगा। ये उपाय गले को साफ रखने में मदद करेंगे और खराश को आसानी से दूर करेंगे। इन उपायों को घर पर आसानी से किया जा सकता है और ये उपाय नैचुरल होने के साथ इनको करने से नुकसान भी नहीं होगा। आइए जानते हैं सूखी खांसी को दूर करने के घरेलू उपायों के बारे में।

शहद

शहद में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो खांसी को दूर करने के साथ दर्द में भी आराम देते हैं। गर्मी में होने वाली खांसी को दूर करने के लिए शहद को हर्बल टी या नींबू पानी में डालकर पिएं। ऐसा करने से खांसी में तुरंत आराम मिलेगा।

गिलोय का रस

गिलोय का रस शरीर की कई बीमारियों को दूर करता है। गर्मियों में होने वाली सूखी खांसी में आराम के लिए रोज सुबह-शाम खाली पेट गिलोय का रस पिएं। ऐसा करने से खांसी में आराम मिलेगा और शरीर भी स्वस्थ रहेगा।

नमक के पानी से गरारे

गर्मियों में होने वाली सूखी खांसी को ठीक करने के लिए नमक के पानी से भी गरारे किए जा सकते है। नमक के पानी के गरारे करने से फेफड़ों में जमा बलगम कम होता है और गले को भी आराम मिलता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए 1 गिलास गर्म पानी में 1/4 चौथाई चम्मच नमक को मिलाकर गरारे करें। इसमें पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल गुण इंफेक्शन को दूर करेगा।

लौंग

लौंग के इस्तेमाल से सूखी खांसी में आराम मिल सकता है। इसका उपयोग करने के लिए लौंग और 1 चुटकी सेंधा नमक को लेकर चबाएं। ऐसा करने से सूखी खांसी में आराम मिलेगा और बंद गला खुलेगा। गर्मी में सूखी खांसी को ठीक करने के लिए इन उपायों की मदद ली जा सकती है। हालांकि, ध्यान रखें खांसी न ठीक होने पर डॉक्टर को दिखा कर ही दवाई लें।

अदरक

अदरक के एंटीबैक्टीरियल गुण शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए 1 चम्मच अदरक के रस में शहद को मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इसको चाट लें। ऐसा करने से बंद गला खुल जाएगा और सूखी खांसी में भी आराम मिलेगा।

हंसना मना है

बच्चा: पापा, हमारे पड़ोसी बहुत गरीब हैं।
पापा: तुम्हें कैसे पता? बच्चा: उनके बेटे ने एक रुपये का सिक्का निगल लिया है और उसकी मां का रो-रो कर बुरा हाल है।

सोनू: क्या हुआ क्यों उदास बैठे हो? मोनू: कल एक न्यूज चैनल के एंकर ने कहा था आइए हम आपको गोवा लेकर चलते हैं। तभी से तैयार बैठा हूं, कोई आया ही नहीं।

टीचर: अगर कोई स्कूल के सामने बम रख जाए, तो तुम क्या करोगे? छात्र: एक-दो घंटे देखेंगे, अगर कोई ले जाता है, तो ठीक है। वरना स्टाफ रूम में रख देंगे।

ट्रेन में दो यात्री पहला: व्हाट्सएप इंसान को हमेशा आगे बढ़ाता है। दूसरा: वो कैसे?
पहला: अब मुझे ही देखिए, दो स्टेशन पीछे उतरना था, लेकिन मैं तो आगे आ गया।

बेटा (पापा से): कार की चाबी दो, कॉलेज जाना है फंक्शन है। पापा: क्यों? बेटा: 10 लाख की गाड़ी में जाऊंगा तो शान बढ़ेगी। पापा: ये ले 10 रुपए, 30 लाख की बस में जायेगा, तो ज्यादा शान बढ़ेगी।

पत्नी: मैं आपसे बात नहीं करूंगी। पति:ठीक है
पत्नी: क्या आप कारण नहीं जानना चाहते? पति: नहीं, मैं तुम्हारे फैसले की इज्जत करता हूं।

कहानी — मूर्ख नीलम्मा

बहुत समय पहले की बात है। गंगावती नगर के महाराज शिकार को निकले। शिकार की तलाश में सुबह से शाम हो गई। तभी अचानक उनकी नजर एक जंगली सूअर पर पड़ी। महाराज ने घोड़े को एड़ लगाई और सूअर का पीछा करने लगे। कुछ ही देर में सूरज छिप गया और घना अंधेरा छाने लगा। सूअर पत्तों की आड़ में खो गया। महाराज ने अपने आस-पास देखा। उनके निकट कोई सैनिक न था। शिकार की धुन में वे स्वयं जंगल में अकेले निकल आए थे। महाराज को शीघ्र ही भूख-प्यास सताने लगी। सर्दियों का मौसम था। कुछ ही दूरी पर आग जलती हुई दिखाई दी। एक औरत आग सेंक रही थी। उसने महाराज को नहीं पहचाना और बोली- मुसाफिर हो क्या? भूखे-प्यासे भी लगते हो? महाराज ने सिर हिलाकर हामी भरी। उस औरत का नाम नीलम्मा था। वह खाने के लिए थोड़ा-सा भात और सब्जी ले आई। भोजन स्वादिष्ट था। खाने के बाद महाराज ने पूछा- तुम इस घने जंगल में अकेली रहती हो? नहीं, मेरे पति भी साथ रहते हैं। वह अभी बाजार गए हैं। नीलम्मा ने उत्तर दिया। वह दोनों लकड़ी का कोयला बेचकर गुजारा करते थे। उसी समय नीलम्मा का पति भी आ पहुँचा। उसने राजसी वेश पहचान लिया और महाराज को प्रणाम किया। तब नीलम्मा को पता चला कि जिसे वह एक मुसाफिर समझ रही थी, वे तो महाराज हैं। महाराज ने खुश होकर उन्हें चंदन वन उपहार में दे दिया। तभी सैनिक भी महाराज की खोज में वहीं आ पहुँचे और महाराज लौट गए। इस बात को कई वर्ष बीत गए। एक दिन महाराज पुनः शिकार खेलते-खेलते चंदन वन में जा पहुँचे। तभी उन्हें नीलम्मा और उसके पति की याद आई। उन्होंने सोचा कि वे दोनों भली प्रकार जीवन-यापन कर रहे होंगे। अचानक उन्होंने देखा कि एक बूढ़ी स्त्री लकड़ियों के टुकड़े चुन रही थी। उन्हें देखते ही वह स्त्री, उनके पैरों पर गिर पड़ी। महाराज नीलम्मा की दीन दशा को देखकर चौंक गए और पूछा- क्या तुम्हारा पति तुम्हें छोड़ गया है? नहीं, महाराज! हम आज भी उसी तरह प्रेम से रहते हैं और लकड़ी का कोयला बनाकर बेचते हैं। क्या? नीलम्मा की बात सुनकर महाराज ने माथा पीट लिया। उन दोनों ने सारे चंदन वृक्षों को लकड़ी का कोयला बना-बनाकर बेच दिया था। महाराज ने नीलम्मा के पति को लकड़ी का एक टुकड़ा देकर कहा, जरा इसे बाजार में बेच आओ। बाजार में चंदन की लकड़ी हाथों-हाथ बिक गई। नीलम्मा के पति को बहुत से रुपये मिले। तब उसकी समझ में आया कि उसने कितनी बड़ी मूर्खता की है। उपहार में मिला चंदन वन उनकी अज्ञानता के कारण नष्ट हो गया।

सीख: मूर्ख व्यक्ति कीमती और मूल्यवान वस्तु को भी अपनी लापरवाही से दो कौड़ी का बना देता है।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

ससुराल से तनाव मिल सकता है। धन को लेकर आप परेशान रहेंगे। सप्ताह के बीच में लंबी ट्रैवलिंग पर जाने के योग बनेंगे। पारिवारिक जीवन खुशी से बितायेंगे।

वृषभ

बिजनेस के लिए यह वीक इंपॉर्टेंट रहेगा और आपको बिजनेस ग्रोथ में सपोर्ट करेगा। नौकरी पेशा लोगों को भी इस समय में कुछ नई अचीवमेंट प्राप्त हो सकती हैं।

मिथुन

खर्चों में यकायक तेजी रहेगी। सप्ताह के बीच में स्थितियां कंट्रोल में रहेंगी। गृहस्थ जीवन अच्छा चलेगा। बिजनेस में अच्छा एक्सपेंशन करने की कोशिश करेंगे।

कर्क

लव लाइफ खूब अच्छी होगी। इनकम भी बढ़िया होगी। आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। कुछ नई चीजें खरीद सकते हैं। सप्ताह के बीच में खर्चों में तेजी आएगी।

सिंह

सिंह राशि के जातक सप्ताह की शुरुआत में अपनी फैमिली लाइफ का इंपॉर्टेंस देंगे लेकिन अपनी प्रोफेशनल लाइफ को भी पीछे नहीं छोड़ेंगे, इसलिए आप बिजी रहेंगे।

कन्या

कन्या राशि के जातक सप्ताह की शुरुआत में कहीं घूमने जा सकते हैं। दोस्तों के साथ भी टाइम स्पेंड करेंगे। भाइयों का पूरा सपोर्ट आपके काम में इस सप्ताह रहने वाला है।

तुला

बैंक में डिपॉजिट करा सकते हैं। परिवार के लोगों से सपोर्ट रहेगा। यदि आप फैमिली बिजनेस करते हैं तो उसमें अच्छी सक्सेस इस सप्ताह आपको मिल सकती है।

वृश्चिक

गृहस्थ जीवन में प्यार ही प्यार नजर आएगा। लव लाइफ पार्टनर का पूरा सपोर्ट आपके साथ रहेगा। किसी नए बिजनेस को शुरू करने के बारे में सोच सकते हैं।

धनु

खर्चों को लेकर भी आप परेशान रहेंगे। सप्ताह के बीच में अपनी सेहत पर आपका ध्यान जाएगा। सेहत में सुधार होगा। गृहस्थ जीवन में तनाव में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी।

मकर

आपकी दिली ख्वाहिशें पूरी होंगी। इनसे आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। लव लाइफ के लिए भी समय अच्छा है। आप अपने लवर के साथ रोमांटिक डेट प्लान करेंगे।

कुम्भ

नौकरी में ज्यादा मेहनत करने की कोशिश आपको परेशान तो करेगी लेकिन आपकी परफॉर्मेंस में सुधार होगा। घरवालों का सपोर्ट आपके साथ रहेगा। विरोधी परेशान कर सकते हैं।

मीन

आपकी आर्थिक स्थिति बढ़िया रहेगी। कामों में सफलता मिलेगी। लंबी ट्रैवलिंग के योग बनेंगे। सप्ताह के बीच में करियर पर ध्यान देने का समय रहेगा। आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

चिट्टीबाबू के 'ओल्ड' वाले बयान के बाद समांथा प्रभु का करारा जवाब

विसामंथा रुथ प्रभु साउथ इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। सामंथा इन दिनों अपनी फिल्म शाकुंतलम और आने वाली वेब सीरीज सिटाडेल को लेकर चर्चा में हैं। वहीं, बीते दिनों तेलुगू प्रोड्यूसर चिट्टीबाबू ने भी सामंथा की फिल्म शाकुंतलम को लेकर बयान दिया था। साथ ही उन्होंने एक्ट्रेस को ओल्ड कह कर तंज कसा था। इसके बाद अब एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं।

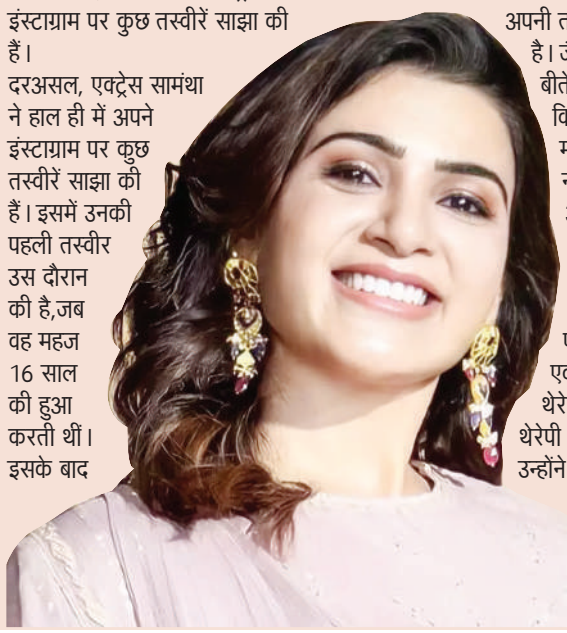

दरअसल, एक्ट्रेस सामंथा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इसमें उनकी पहली तस्वीर उस दौरान की है,जब वह महज 16 साल की हुआ करती थीं। इसके बाद उन्होंने अपने डॉगी की तस्वीरें साझा की हैं और बाद में ऑक्सीजन मास्क लगाए हुए अपनी तस्वीर साझा की है। जैसी कि एक्ट्रेस ने बीते दिनों खुलासा किया था कि वह मायोसाइटिस नामक एक ऑटोइम्यून कंडीशन से जूझ रही है। इस समस्या से निजात पाने के लिए एक्ट्रेस हाइपरबेरिक थेरेपी लेती हैं। इस थेरेपी को लेते हुए उन्होंने इसके साथ एक तस्वीर भी साझा की है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने एक और तस्वीर साझा की है, जिसमें लिखा है- जो यह जानकर भी पेड़ लगाता है कि वह कभी भी उस पेड़ छाया में नहीं बैठेगा, उसने लाइफ का मीनिंग समझना शुरू कर दिया है। इन लाइन्स को रवींद्रनाथ टैगोर ने लिखा है। एक्ट्रेस ने तस्वीरों को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है- एज आई सी इट।

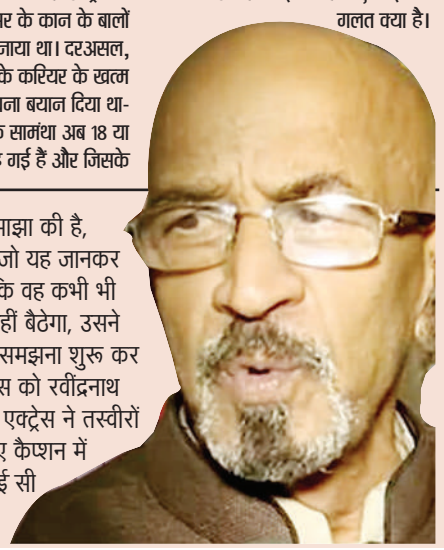

चिट्टीबाबू ने दिया था बयान

आपको बता दें कि सामंथा और प्रोड्यूसर चिट्टीबाबू के बीच बीते दिनों नोंकझोंक देखने को मिली थी। साथ ही एक्ट्रेस ने भी बाद में प्रोड्यूसर के कान के बालों का मजाक बनाया था। दरअसल, चिट्टीबाबू ने एक्ट्रेस के करियर के खत्म होने को लेकर अपना बयान दिया था- उन्होंने कहा था कि सामंथा अब 18 या 20 साल की नहीं रह गई हैं और जिसके कारण मैंने कहा कि वह शांकुतमल जैसी बेहतरीन फिल्म में उसके किरदार के लिए सही च्वॉइस नहीं थी, तो इसमें गलत क्या है।

छोटे पर्दे पर वापसी को बेकरार है आकांक्षा चमोला

टीवी शो 'अनुपमा' में अनुज का किरदार निभाकर गौरव खन्ना लाखों ऑडियंस के फेवरेट स्टार बन गए हैं, दूसरी ओर उनकी रियल वाइफ आकांक्षा चमोला छोटे पर्दे पर वापसी करने के लिए बेकरार हैं। 'स्वरागिनी', 'लड्डू', 'गंगा यमुना' और 'भाग्यलक्ष्मी' जैसे टीवी शोज में काम कर चुकी हैं। कई सालों से वह छोटे पर्दे से दूर हैं। हाल ही में, आकांक्षा चमोला ने टीवी में वापसी न करने की वजह का खुलासा किया है।

आकांक्षा चमोला का कहना है कि वह टीवी में वापसी तो करना चाहती हैं, लेकिन वह ऑडिशन में पास नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने ये भी कहा कि अब उनके पति गौरव खन्ना को ही प्रोड्यूसर बनकर शो को प्रोड्यूस करना पड़ेगा ताकि वह उनका कमबैक करा सके। आकांक्षा ने कहा, मैं शोज किया करती थी, लेकिन अब मैं शोज करने का इंतजार कर रही हूं। कोई भी चीज मुझे टीवी से दूर नहीं रख रही है। मैं कई सारे ऑडिशंस देती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि लोगों का मेरा ऑडिशन पसंद नहीं आ रहा है।

आकांक्षा ने आगे कहा, मैं फैंस से कहना चाहती हूं कि आप गौरव पर प्यार बरसाते रहिए और अब वह मेरे लिए शो प्रोड्यूस करेगा, क्योंकि मुझे नहीं लग रहा है कोई मुझे अपने शो में लेने वाला है। आकांक्षा के बाद गौरव ने कहा, ऐसा कुछ भी नहीं है। मुझे भरोसा है कि वक्त से पहले और किस्मत से ज्यादा किसी को कुछ नहीं मिलता है। समय बहुत जरूरी है और मैं ये अपने पर्सनल एक्सपीरियंस से कह रहा हूं। मैं इस इंडस्ट्री में लंबे समय से हूं और काम करने के कई अवसर मिले, लेकिन अनुपमा के बाद रास्ते बदल गए। इस पर भरोसा नहीं हो रहा है। मुझे शो से बहुत प्यार मिला, मुझे यकीन है कि आपके लिए भी कुछ ऐसा इंतजार कर रहा होगा। भरोसा रखो।

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्मफेयर में अनैतिक और चापलूसों की भरमारः विवेक

मशहूर फिल्म द कश्मीर फाइल्स के निर्माता विवेक अग्निहोत्री अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में बने रहते हैं। कश्मीरी पंडितों पर हुए निर्मम अत्याचार की कहानी कहने वाली यह फिल्म पिछले साल रिलीज हुई थी, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया था। इस फिल्म को 68वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2023 में 7 कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया है। लेकिन विवेक अग्निहोत्री ने इस अवॉर्ड से कुछ खफा नजर आ रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर अपनी भड़ास निकाली है और इस अवॉर्ड शो का हिस्सा बनने से इंकार कर दिया है। विवेक अग्निहोत्री ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पर अपने लंबे-चौड़े पोस्ट से तहलका मचा दिया है। उन्होंने इसमें लिखा है कि वो 27 अप्रैल को होने वाले 68वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2023 का हिस्सा नहीं बनेंगे। निर्देशक ने लिखा, मीडिया के द्वारा मुझे पता चला है कि मेरी फिल्म द कश्मीर फाइल्स को फिल्मफेयर में 7 श्रेणियों में नामांकन मिला है। मैं विनम्रता के साथ इन अनैतिक और सिनेमा विरोधी पुरस्कारों में हिस्सा लेने से इंकार करता हूं। विवेक अग्निहोत्री ने आगे लिखा, फिल्मफेयर के अनुसार सितारों के अलावा किसी का कोई चेहरा नहीं है। फिल्मफेयर की अनैतिक और चापलूस दुनिया में संजय लीला भंसाली और सूरज बड़जात्या जैसे निर्देशकों का कोई चेहरा नहीं है। फिल्मफेयर के लिए भंसाली का चेहरा आलिया भट्ट हैं, बड़जात्या का चेहरा अमिताभ बच्चन हैं और अनीस बज्मी का चेहरा कार्तिक आर्यन हैं। विवेक अग्निहोत्री ने आगे लिखा, ऐसा नहीं है कि फिल्ममेकर्स का सम्मान इन पुरस्कारों से तय होता है, लेकिन यह अपमानजनक प्रक्रिया बंद होनी चाहिए। इसके आगे उन्होंने दुष्यंत कुमार की कुछ पंक्तियां लिखीं कि, सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं...मेरी कोशिश है ये सूरत बदलनी चाहिए...मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही...हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए। विवेक अग्निहोत्री का ट्वीट आते ही यूजर्स ने भी इसपर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। कई लोगों ने उनका समर्थन किया और कहा कि यह एक पारिवारिक पुरस्कार समारोह है।

18 हजार साल से बर्फ में दफन कुत्ते का रहस्य सुलझा, वैज्ञानिकों ने बताया सच

बात दिसंबर 2019 की है। जब साइबेरिया में बर्फ के नीचे 18 हजार साल पुराना एक जीव मिला था। जिसे देखकर कोई नहीं कह सकता कि वो 18 हजार साल पहले मर गया था। उसकी बॉडी पूरी तरह प्रिजर्व थी। यहां तक कि शरीर के फर तक साफ साफ बचे हुए थे। दांत भी आपस में चढ़े हुए थे। ऐसा लग रहा था मानों किसी से लड़ते हुए अचानक उसकी मौत हुई हो। वैज्ञानिकों ने इसे देखा तो हैरान रह गए कि कोई जीव इतने साल तक प्रिजर्व हो और वह भी पूरी तरह सुरक्षित। लेकिन सवाल था कि यह कुत्ता है या कुछ और। तमाम लोग इसे कुत्ता ही मानकर चल रहे थे क्योंकि इसका ढांचा बिल्कुल कुत्ते की तरह था। मगर अब चार सालों बाद वैज्ञानिकों ने यह रहस्य सुलझा लिया है। वैज्ञानिकों का तब अनुमान था कि जब इस कुत्ते की मौत हुई थी तो ये दो साल का था। रेडियोकार्बन थेरेपी से मौत के वक्त, इस कुत्ते की उम्र और वो कितने सालों से बर्फ में दबा था, ये पता किया गया था। हजारों साल तक दबे रहने के बावजूद इसके शरीर के बाल, नाक और दांत बिल्कुल सही सलामत थे। तब साइंटिस्ट ने कहा था कि इसकी डीएनए सीक्वेंसिंग से पता चलता है कि वह ऐसी प्रजाति से है जो कुत्तों और भेड़ियों के समान पूर्वज हुआ करते थे। यह एक ऐसा जानवर था जो गुफा के शेरों और मैमथ और ऊनी गैंडों के साथ रहता था। अब वैज्ञानिकों का दावा है कि दरअसल, डोगर नाम का यह जीव कुत्ता था ही नहीं। यह तो एक भेड़िया था। इसकी बनावट उस वक्त मौजूद कुत्तों की तरह नहीं थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वैज्ञानिकों ने 72 प्राचीन भेड़ियों के जीनोम के साथ-साथ कुत्ते के जीनोम का भी अध्ययन किया। उनका लक्ष्य यह समझना था कि कैसे मानव इतिहास में कुत्ते को पालतू बनाकर रखने में महारथ हासिल कर चुके थे। जब कुत्ते की जीनोम सिक्वेंसिंग की गई तो यह उस वक्त के 66 भेड़ियों के जीनोम में से एक था। लंदन में फ्रांसिस क्रिक इंस्टीट्यूट में प्राचीन जीनोमिक्स में पोस्टडॉक्टरल फेलो एंडर्स बर्गस्ट्रॉम ने लाइव साइंस को बताया, हम जानते हैं कि हिम युग में कुत्तों को पालतू बनाया जाने वाला पहला जानवर था। लेकिन तब उनका वर्चस्व हुआ करता था। हम नहीं जानते कि दुनिया में ये कब आए लेकिन मानव के साथ इनका रिश्ता बेहद खास रहा है।

अजब-गजब | 'साइनाइड मल्लिका' के नाम से जानते हैं लोग

भारत की पहली महिला सीरियल किलर

दुनिया में कई ऐसे अपराधी हुए हैं जिन्होंने अपराध की अलग-अलग परिभाषाएं गढ़ीं और उनसे ज्यादा खतरनाक शायद ही कोई और अपराधी रहा होगा। ये इतने कुख्यात हो गए कि देश-विदेश में इनके चर्चे हो गए थे। भारत में भी ऐसी ही एक अपराधी सालों पहले थी जिसे भारत की पहली महिला सीरियल किलर भी माना जाता है, इसके हत्या करने का तरीका इतना अलग था कि इसे लोग साइनाइड मल्लिका के नाम से जानते हैं और आज भी उसके बारे में सुनकर उनकी रूह कांप जाती है।

हम आपको बता रहे हैं दुनिया की उन महिलाओं के बारे में, जो इतनी खतरनाक थीं कि उनके लिए किसी की जान लेना बच्चों का खेल था। आज हम बात कर रहे हैं केडी केम्पम्मा की जिसे लोग 'साइनाइड मल्लिका' के नाम से भी जानते हैं क्योंकि वो कई बार अपना नाम मल्लिका भी बताती थी। बेंगलुरु से कुछ दूर, कग्गालीपुरा में रहने वाली केम्पम्मा की शादी एक दर्जी से हुई थी। गरीबी के चलते वो भी अपना छोटे से चिटफंड का बिजनेस चलाती थी। पर उसके बिजनेस को भारी नुकसान हुआ और उसके सारे पैसे डूब गए। उसके पति ने भी उसे छोड़ दिया था और उसे घर से निकलना पड़ा था। गुजारा करने के लिए उसने घरों में काम करना शुरू कर दिया था और तब छोटी-मोटी चोरियां करने लगी थी। ये सारी

घटनाएं 1998 और उससे पहले घट रही थीं।

1999 में की थी पहली हत्या

केम्पम्मा को जल्दी अमीर बनना था, तब उसने साल 1999 में अपराध के जरिए अमीर बनने के बारे में सोचा और 30 साल की ममता राजन नाम की एक महिला को साल 1999 में पहली बार मौत के घाट उतारा। उसके हत्या का तरीका भी काफी हैरान करने वाला था। उसका मुख्य उद्देश्य लूटपाट करना था। वो मंदिरों में श्रद्धालु बनकर जाती थी और फिर वहां ऐसी महिलाओं को टार्गेट करती थी जो काफी परेशान और उदास लगती थीं।

परेशान महिलाओं की बनती थी हितैशी

वो उनसे बातें शुरू कर देती थी और उनके दुखों को सुनकर उनकी हितैशी बन जाती थी। फिर वो उन्हें दुखों से बचने के लिए एक खास पूजा करने की सलाह देती थी। वो खुद ही गांव से दूर एक मंदिर में इस पूजा का इंतेजाम करवा देती थी और महिलाओं से कहती थी कि वो अपने सारे गहने पहनकर ही पूजा में शामिल हों। पूजा खत्म होने के बाद वो उन्हें प्रसाद के तौर पर पूजा से जुड़ा जल पीने को देती थी जो असल में साइनाइड मिला पानी होता था। उसे पीते ही महिलाओं की मौत हो जाती थी। फिर वो उनके गहने चुराकर भाग जाती थी।

5 महिलाओं की हत्या की

साल 2000 में केम्पम्मा को पहली बार गिरफ्तार किया गया था। तब वो घर से सामान चुराते हुए पकड़ी गई थी। पर फिर उसे 6 महीने बाद रिहा भी कर दिया गया था। छूटने के बाद वो फिर से हत्या करने निकल पड़ी और 2007 तक उसने 5 महिलाओं को मार डाला था। साल 2008 में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। पुलिस उसे लंबे समय से खोज रही थी और एक टिप मिलने के बाद ही उसे गिरफ्तार कर पाए थे जब वो चुराए हुए सोने को बेचने की कोशिश कर रही थी। उसे पकड़ने में पुलिस के भी पसीने छूट गए थे। केम्पम्मा को हत्या के दो मामलों में उसे मौत की सजा सुनाई गई थी पर उसके खिलाफ सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्य होने की वजह से सजा को उम्र कैद में तब्दील कर दिया गया था।

मोदी निराश और हताश हो गए हैं : जयराम रमेश

» पीएम के कांग्रेस मतलब झूठी गारंटी' वाले बयान ' पर कांग्रेस का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'कांग्रेस का मतलब झूठी गारंटी' वाली टिप्पणी को कांग्रेस ने हताशा और निराशा वाली टिप्पणी करार दिया है। गुरुवार को पीएम मोदी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी ने निराशा और हताशा में यह टिप्पणी की है। बता दें कि पीएम मोदी ने आज कर्नाटक भाजपा के कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित किया था। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस मतलब झूठी गारंटी, कांग्रेस मतलब भ्रष्टाचार की गारंटी। कांग्रेस उस राज्य में है जहां वे कोई गारंटी नहीं दे सकते। और उनकी वारंटी भी समाप्त हो गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान पर कांग्रेस मीडिया सेल के प्रभारी जयराम रमेश ने ट्विटर पर लिखा, अमित शाह और योगी के बाद अब मोदी की बारी है कि निराशा और हताशा के कारण अपमानजनक टिप्पणी करें। जयराम रमेश ने कहा कि 10 मई को कर्नाटक के लोग भाजपा के 40 प्रतिशज कमीशन सरकार को समाप्त करने की गारंटी देंगे। कुछ दिनों बाद कांग्रेस की गारंटी लागू की जाएगी जैसे हम राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में करते हैं। ।

कर्नाटक हार रही है भाजपा

एक अन्य ट्वीट में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, किअब यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा निर्णायक रूप से कर्नाटक हार रही है। कांग्रेस नेतृत्व के अभियानों के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया भारी रही है। यह अमित शाह की 4अअअअअ रणनीति की व्याख्या करता हअ अपमान, भड़काना, उकसाना और धमकाना। शाह को शर्म आनी चाहिए! हम इसे ईसीआई के सामने उठा रहे हैं।

बीजेपी सांसद की शिकायत पर विशेषाधकार हनन नोटिस

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने आसन के खिलाफ टिप्पणी को लेकर कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश के खिलाफ कथित रूप से विशेषाधिकार हनन के लिए भाजपा सांसद की शिकायत को जांच के लिए विशेषाधिकार समिति को भेजा है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने रमेश के खिलाफ राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने और उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठाने के लिए शिकायत दर्ज कराई थी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने संसद के पिछले बजट सत्र के दौरान कथित तौर पर कहा था कि सभापति को सत्तारूढ़ दल का चीयरलीडर नहीं होना चाहिए और विपक्ष को भी सुनना चाहिए। अदाणी मामले की जेपीसी जांच की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के बाद बजट सत्र में बार-बार व्यवधान देखा गया और कोई भी महत्वपूर्ण काम नहीं हो सका।राज्य सभा सचिवालय द्वारा राज्य सभा की विशेषाधिकार समिति को विशेषाधिकार के प्रश्न का संदर्भ के संबंध में एक आधिकारिक संचार ने कार्रवाई की पुष्टि की। राज्यसभा सचिवालय ने कहा,सदस्यों को सूचित किया जाता है कि राज्य सभा के सभापति ने जयराम रमेश के खिलाफ डॉ. सुधांशु त्रिवेदी की शिकायत से उत्पन्न कथित विशेषाधिकार हनन के प्रश्न को काउंसिल ऑफ स्टेट्स (राज्य सभा) के प्रक्रिया और कार्य-संचालन नियमों के नियम 203 के तहत संदर्भित किया है।

यूपी के तीन आईपीएस जाएंगे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर, आईपीएस सुजाता सिंह एनआईए की एसपी बनीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के तीन आईपीएस अफसरों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनाती दी गई है। आईपीएस सुजाता सिंह को राष्ट्रीय जांच एजेंसी में एसपी के पद पर तैनाती दी गई है। उनका कार्यकाल पांच साल का होगा। इसी तरह आईपीएस सत्येंद्र सिंह और आईपीएस डॉ. मीनाक्षी कात्यायन को भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाएगा। इस संबंध में केंद्र से निर्देश जारी किए जा चुके हैं। केंद्र ने दोनों ही अफसरों का जल्द ही भेजने का अनुरोध किया है।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि के वाद में छह मई को होगी सुनवाई

» न्यायालय जेएम द्वितीय हरिद्वार के न्यायालय में धारा 499 और 500 आईपीसी के तहत परिवाद दाखिल किया था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मानहानि के वाद पर अदालत छह मई को सुनवाई करेगी। परिवादी के अधिवक्ता अरुण भदौरिया ने बताया कि आरएसएस कार्यकर्ता कमल भदौरिया ने राहुल गांधी के विरुद्ध न्यायालय जेएम द्वितीय हरिद्वार के न्यायालय में धारा 499 और 500 आईपीसी के तहत परिवाद दाखिल किया था। न्यायालय ने परिवाद सुनने के बाद प्रकीर्ण वाद में मामला दर्ज किया था।

सुनवाई के लिए पहले 12 अप्रैल

तारीख निर्धारित की लेकिन फिर 13 अप्रैल बढ़ा दी। अधिवक्ता अरुण भदौरिया ने बताया कि जेएम द्वितीय शिव सिंह की अदालत ने उक्त वाद की सुनवाई उनके क्षेत्राधिकार ना होने का हवाला देते हुए क्षेत्राधिकार (सीजेएम) मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी को पत्रावलियां हस्तांतरित कर दी।

कोरोना के केसों में आ रही कमी

» पिछले 24 घंटे में कोरोना के 7,533 नए मामले सामने आए

» नए मामलों में 19 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई

» देश में अब तक 4.49 करोड़ लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में मामूली गिरावट देखी जा रही है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 7,533 नए मामले सामने आए हैं। गुरुवार से तुलना करें तो नए मामलों में 19 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसी के साथ देश में सक्रिय मरीजों का आंकड़ा 53 हजार के पार पहुंच गया है। देश में वर्तमान समय में 53,852 कोरोना संक्रमित

मरीजों का इलाज चल रहा है। देश में अब तक 4.49 करोड़ लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। सक्रिय मामले अब कुल संक्रमणों का 0.12 फीसदी है।

देश में बीते दिन कोरोना की वजह से 44 लोगों की मौत भी हुई है। हालाकि, इनमें 16 पुराने मामले हैं, जिन्हें केरल ने बीते दिन अपडेट कराया है। इसी के साथ देश में मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,31,468 हो गई है। इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार गुरुवार को बीते 24 घंटे में 9,335 नए मामले सामने आए थे। यह आंकड़ा बुधवार को 9,629 था। गुरुवार को 26 मौतों के साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,31,424 हो गई थी। मंत्रालय की वेबसाइट पर साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय कोविड रिकवरी दर 98.69 प्रतिशत दर्ज की गई है। संक्रमण से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,43,47,024 हो गई है, जबकि मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत बनी हुई है। राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक कोविड टीके की कुल 220.66 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं।

जम्पा-अश्विन-यशस्वी का कमाल, चेन्नई बेहाल

» अपने 200वें मैच में जीता राजस्थान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के एडम जैम्पा और रविचंद्रन अश्विन की फिरकी के आगे चेन्नई के बल्लेबाजों की एक न चली और आईपीएल 2023 के 37वें मैच में रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 32 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 202 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 43 गेंदों में 77 रन बनाए। जवाब में चेन्नई की टीम 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 170 रन ही बना सकी।

शिवम दुबे ने 33 गेंदों में 52 रन बनाए। वहीं, ऋतुराज गायकवाड़ ने 29 गेंदों में 47 रन की पारी खेली। यह राजस्थान का आईपीएल में 200वां मैच था और उन्होंने जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में आईपीएल इतिहास में पहली बार 200+ का स्कोर बनाया। फिर बड़ी जीत भी हासिल की। यह राजस्थान की इस सीजन चेन्नई पर लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले आरआर ने चेपक में भी सीएसके पर जीत हासिल की थी।

टॉप पर पहुंची रायल्स की टीम

इस जीत के साथ राजस्थान की टीम आठ मैचों में पांच जीत और 10 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। उसने सिर्फ तीन मैच गंवाए हैं। वहीं, चेन्नई की टीम आठ मैचों में पांच जीत और तीन हार के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर लुढ़क गई है। दूसरे स्थान पर चेन्नई से बेहतर रन रेट और 10 अंक के साथ गुजरात टाइटंस है। चेन्नई को अगला मैच रविवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ चेपक में खेलना है। वहीं, राजस्थान को रविवार को ही मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े में खेलना है। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 202 रन बनाए। आईपीएल इतिहास में पहली बार जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में 200 से ज्यादा रन बने। यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 50 गेंदों में 86 रन जोड़े। इस साझेदारी को रवींद्र जडेजा ने तोड़ा। उन्होंने जोस बटलर को शिवम दुबे के हाथों कैच कराया। वह 21 गेंदों में 27 रन बना सके। दूसरे छोर पर यशस्वी ने ताबड़तोड़ शॉट्स लगाए और 26 गेंदों में आईपीएल करियर का छठा अर्धशतक पूरा किया। 203 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की टीम कभी मैच में दिखी ही नहीं। टीम ने काफी धीमी शुरुआत की थी और पावरप्ले यानी पहले छह ओवर में एक विकेट गंवाकर 42 रन बनाए। डेवोन कॉनवे 16 गेंदों में आठ रन बनाकपर आउट हुए। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी रन रेट बढ़ाने के चक्कर अपना विकेट गंवा बैठे। उन्होंने 29 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 47 रन की पारी खेली।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

ठेस पहुंची तो खेद है : खरगे

» कहा-आरएसएस-भाजपा की विचारधारा जहरीली है, उसकी की थी तुलना

» खरगे की हुई थी चौतरफा आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सफाई दी है। दरअसल, कर्नाटक के कालबुर्गी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अगर मेरे बयान से किसी को ठेस पहुंची हो, उसका गलत अर्थ निकाला गया हो और किसी को दुख पहुंचा हो तो मैं उसके लिए खेद व्यक्त करूंगा।

खरगे ने कहा, हमारे बीच वैचारिक मतभेद हैं। आरएसएस-भाजपा की विचारधारा जहरीली है, लेकिन उन्होंने इसकी तुलना प्रधानमंत्री से की और दावा किया कि मैंने उनके बारे में टिप्पणी की। किसी व्यक्ति के बारे में बोलने या किसी को आहत करने का मेरा इरादा कभी नहीं था। प्रधानमंत्री मोदी को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर खरगे की चौतरफा आलोचना हुई थी। भाजपा ने पलटवार करते हुए इस टिप्पणी की तुलना सोनिया गांधी के मौत का सौदागर से की थी। हालांकि, बाद में खरगे की सफाई भी सामने आई थी। खरगे ने कहा था कि यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के लिए नहीं थी, बल्कि भाजपा की विचारधारा के लिए थी। उन्होंने कहा था कि मैंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए व्यक्तिगत रूप से यह कभी नहीं कहा।

बीजेपी विधायक ने की सोनिया गांधी पर अभद्र टिप्पणी

बीजेपी विधायक यतनाल ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को विषकन्या कहकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। यतनाल ने कोप्पल में एक जनसभा के दौरान कहा कि पूरी दुनिया ने पीएम मोदी को माना, अमेरिका ने एक समय उन्हें वीजा देने से मना कर दिया था। बाद में उन्होंने रेड कार्पेट बिछाया और पीएम मोदी का स्वागत किया। विधायक ने कहा कि अब वे (खरगे) उनकी (पीएम मोदी की) तुलना सांप से कर रहे हैं और कह रहे हैं कि वे जहर उगलेंगे। जिस पार्टी में आप (खरगे) नाच रहे हैं, क्या सोनिया गांधी विषकन्या हैं? उन्होंने यह तक कह डाला कि सोनिया ने चीन और पाकिस्तान के साथ उनके एजेंट के रूप में काम किया।

कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है : सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि खरगे का ऐसा बयान देना कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है, एक तरफ राहुल गांधी जी प्यार की दुकान खोलने के लिए भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं और उन्हीं की पार्टी के अध्यक्ष देश के प्रधानमंत्री के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि आज वे किस प्रकार का जहर उगल रहे हैं ये देश देख रहा है। ये पहली बार नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी पर कांग्रेस के किसी नेता ने अभद्र टिप्पणी की हो। ऐसी टिप्पणी से उन्होंने ये सुनिश्चित कर दिया है कि कांग्रेस की कर्नाटक चुनाव में हार पक्की है।

मणिपुर में हिंसा धारा 144 लागू

» तनाव की स्थिति जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के दौरे से एक दिन पहले भीड़ ने कार्यक्रम स्थल पर तोड़फोड़ की और आग लगा दी थी। पुलिस ने बताया कि गुरुवार रात करीब नौ बजे अनियंत्रित भीड़ ने इस घटना को अंजाम दिया गया। घटना के बाद, जिले में इंटरनेट पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही धारा 144 लागू कर दी गई है।

पुलिस ने बताया था कि स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करके भीड़ को तितर-बितर कर दिया था, लेकिन आगजनी की घटना से कार्यक्रम स्थल को नुकसान पहुंचा है। बता दें, यह घटना राज्य की राजधानी इंफाल से करीब 63 किलोमीटर दूर न्यू लमका में हुई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति हो गई है। पुलिस ने जिले में सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस ने कहा कि गुस्साई भीड़ ने न्यू लमका के पीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नए स्थापित ओपन जिम को आंशिक रूप से आग के हवाले कर दिया, जिसका उद्घाटन बीरेन सिंह शुक्रवार दोपहर में करने वाले हैं।

उद्धव ठाकरे को सुप्रीम राहत

» शिंदे गुट को नहीं मिलेगा संपत्ति पर हक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से कई दिनों बाद उद्धव ठाकरे समूह को बड़ी राहत की खबर मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना पार्टी की चल या अचल संपत्ति को अलग करने से रोकने के लिए निर्देश देने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। याचिका में यह भी मांग की गई थी कि इसे नए पार्टी अध्यक्ष को स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए।

मुंबई के एक वकील आशीष गिरि ने अपनी याचिका में ठाकरे समूह को पार्टी फंड ट्रांसफर करने से रोकने के लिए भी सुप्रीम कोर्ट को निर्देश देने की मांग की थी। वकील से कोर्ट ने पूछा- आप कौन हैं याचिका में उद्धव ठाकरे गुट के पास मौजूद सभी शिवसेना की संपत्ति एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को ट्रांसफर करने की मांग की गई थी, जिसे आज शीर्ष न्यायालय ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने वकील आशीष से कहा कि यह किस तरह की याचिका है और इसे दायर करने वाले आप कौन हैं? कोर्ट ने कहा कि यह याचिका विचार करने योग्य नहीं है।

अजय आलोक भाजपा में हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जदयू के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉक्टर अजय आलोक शुक्रवार को भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने दिल्ली के भाजपा मुख्यालय में सदस्यता ग्रहण किया। जानकारी के अनुसार, अजय आलोक दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में शुक्रवार सुबह 11 बजे भाजपा की सदस्यता ली। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव मौजूद रहे। पिछले साल जून में जेडीयू ने पार्टी से बाहर जाकर बयानबाजी करने पर अजय को जदयू से बाहर का रास्ता दिखाया था।

जदयू से निकालने के बाद अजय आलोक के भाजपा में शामिल होने की चर्चा थी। वे लगातार सार्वजनिक मंच पर भाजपा के पक्ष में बोलते नजर आए। उन्होंने शुक्रवार को ही प्रधानमंत्री पर मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी थी।

फोटो:4 पीएम

सदस्यता भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में समाजवादी पार्टी के कई नेता बीजेपी में हुए शामिल, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने नेताओं को दिलाई भाजपा की सदस्यता।

फोटो:4 पीएम

प्रदर्शन दिल्ली में जंतर मंतर पर धरना दे रहीं महिला पहलवानों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय में आईसा के समर्थकों ने किया प्रदर्शन पुलिस ने समर्थकों को लिया हिरासत में।

कल से फिर गिरेगा पारा

» आंधी-पानी से प्रदेश में गर्मी से मिलेगी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । पाकिस्तान के ऊपर पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते प्रदेश में फिर से मौसम बदलने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों में इस बदलाव का असर दिखने लगेगा। 29 अप्रैल से प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश की तेजी बढ़ेगी। 30 अप्रैल को भी ज्यादातर हिस्सों में बारिश होगी। मौसम का यह बदलाव चार मई तक जारी रह सकता है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। इससे अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। पारा सामान्य से नीचे भी जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, वायुमंडलीय परिस्थितियों में परिवर्तन किसी भी समय और अभूतपूर्व हो सकता है, इसलिए ऐसे मॉडल हमेशा मौसम की भविष्यवाणी का सटीक अनुमान नहीं लगा सकते हैं। मौसम का पूर्वानुमान जटिल गणितीय समीकरणों का उपयोग करके लगाया जाता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।